

SHRI ANUP SAH

Shri Anup Sah is a widely acclaimed photo-artist and a trained mountaineer, who has participated in many Himalayan expeditions. This happy combination has yielded rare images of difficult and inaccessible places, which has made him recognized throughout the world and won him many awards nationally and internationally. A man of few words, Shri Sah instead likes his works to speak for him.

2. Born on August 6, 1949 in Nainital, Shri Sah did his schooling at the CRST Inter College, set up and named after his philanthropic grandfather. He received his Bachelor of Science Degree from Kumaun University, Nainital. Encouraged by his father, he developed an avid interest in nature, trekking, mountaineering and photography from an early age, and has always preferred the great outdoors to city life.

3. His photographs cover all aspects of the Himalayan panorama- landscapes, wildlife, festivals, culture and more. They are extensively used in books, publications, calendars, railway stations, government offices, hotels and homes across Uttarakhand. One famous image, in particular, of the Om Parvat, with the Om syllable delineated in snow, and the moon in place of the 'bindu', has been appreciated by Indians globally.

4. Shri Sah is the President of the Nainital Mountaineering Club which has trained over 50,000 participants in Rock Climbing etc in its half century of existence. He is the Prabhandak of the CRST Inter College, Nainital, which has produced many eminent personalities in diverse fields. He is also a Member of the Uttarakhand State Wildlife Advisory Board, Vice-President of India International Photographic Council and Vice Chairman of the Central Himalayan Environment Association. He also visits numerous educational institutions each year to hold slide shows to encourage our youth towards healthy outdoor activities in the mountains.

5. Over 3500 of Shri Sah's photos and slides have been accepted for exhibition at various recognised national/international photographic salons. He has won around 350 awards, and has been declared as 'Best Entrant ' eight times. India International Photographic Council has included him in its annual list of Ten Top Photographers of India fourteen times in 1990, 1992-2001, and 2003-2005. Federation of Indian Photography and the Academy of Visual Arts, New Delhi, have respectively honoured him in a similar listing.

पद्म श्री



श्री अनूप साह



श्री अनूप साह एक सुप्रसिद्ध जाने-माने फोटो-कलाकार तथा एक प्रशिक्षित पर्वतारोही हैं, जिन्होंने कई हिमालयी अभियानों में हिस्सा लिया है। इस सुखद संयोजन के फलस्वरूप कठिन एवं दुर्गम स्थानों की दुर्लभ तस्वीरें सामने आयीं हैं, जिसने आपको पूरे विश्व में ख्याति दिलायी और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय जगत के कई पुरस्कारों का विजेता बनाया। आप बहुत ही अल्पभाषी हैं, वास्तव में आप कहने के बजाए अपने कार्य पर विश्वास करते हैं।

2. आपका जन्म 06 अगस्त, 1949 को नैनीताल में हुआ था। आपकी शिक्षा-दीक्षा सीआरएसटी इंटर कॉलेज में हुई, जिसे आपके लोकहितैषी दादाजी ने स्थापित किया गया था। आपने अपनी विज्ञान स्नातक की उपाधि कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल से हासिल की। अपने पिता द्वारा प्रोत्साहित किए जाने पर आपने अपने अंदर प्रकृति ट्रैकिंग, पर्वतारोहण तथा फोटोग्राफी के प्रति बचपन से ही एक उत्सुक रुचि विकसित की तथा शहरी जीवन के बजाए आपने हमेशा शानदार बाहर की प्रकृति को ही सर्वोपरि रखा।

3. आपके चित्रों में हिमालयी परिदृश्य के सभी पहलू अर्थात् प्राकृतिक दृश्य, वन्य जीव, त्यौहार, संस्कृति तथा अन्य पहलू समाहित हैं। इन चित्रों का पुस्तकों, प्रकाशनों, केलेण्डरों, रेलवे स्टेशनों, सरकारी दफ्तरों, होटलों तथा पूरे उत्तराखंड के घरों में, बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। बर्फ में 'ऊँ' अक्षर तथा 'बिंदु' के स्थान पर चन्द्रमा के साथ ओम् पर्वत के चित्र को पूरे विश्व में भारतीयों द्वारा खूब सराहा गया है।

4. आप नैनीताल पर्वतारोहण क्लब के अध्यक्ष हैं, जिसने स्थापना के अपने 50 वर्षों में रॉक क्लाइम्बिंग आदि में 50000 से भी अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है। आप सीआरएसटी इंटर कॉलेज, नैनीताल के प्रबंधक हैं, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रतिष्ठित विभूतियां दी हैं। आप उत्तराखंड राज्य वन्य जीव सलाहकार बोर्ड के सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल के उपाध्यक्ष तथा सेंट्रल हिमालयन एनवायरमेंट एसोसिएशन के चेयनमैन भी हैं। आप पर्वतों में स्वस्थ आउटडोर गतिविधियों की ओर हमारे युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वर्ष स्लाइड-शो आयोजित करने हेतु अनेक शैक्षणिक संस्थानों का दौरा भी करते हैं।

5. आपके 3500 से भी अधिक चित्रों और स्लाइडों को विभिन्न मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफिक सैलूनों में प्रदर्शन के लिए स्वीकार किया गया है। आपने लगभग 350 पुरस्कार जीते हैं और आठ बार आपको 'बेस्ट एंट्रेंट' घोषित किया गया है। इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल ने आपको भारत के दस सर्वोत्कृष्ट फोटोग्राफरों की अपनी सूची में वर्ष 1990, 1992 से 2001 तथा 2003 से 2005 तक 14 बार शामिल किया है। फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी और एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, नई दिल्ली ने भी इसी प्रकार की सूची में आपका नाम शामिल करते हुए आपको सम्मानित किया है।